सं 0 ग्रो 0 वि 0 / यमुना / 35-83 / 26607. चूं कि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मैं 0 (1) सचिव, हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड चण्डीगढ़ 2 कार्यकारी ग्रिभियन्ता, एस 0 एण्ड टी 0, हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड, यमुनानगर के श्रीमक श्री साहिब सिंह तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई ग्रौ द्योगिक विवाद है:—

ग्रौर चूंकि हरिक्षणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इस लिए, ग्रब, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिधिसूचना सं. 3(44)84-3-श्रम दिनांक 19 ग्रुप्रैल, 1984 द्वारा उक्त ग्रिधिनियम की धारा 7 के ग्रधीन गठित श्रम न्यायालय, ग्रम्बाला को विवादग्रस्त या उससे संबंधित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय के लिये निर्दिष्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत ग्रथवा संबंधित मामला है :—

क्या श्री साहिब सिंह की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं 0 स्रो 0 वि 0 एफ 0 डी 0 63-84 26614 - चूं िक हिरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मैं 0 सलाइड इंजीनियरिंग, ण्लाट - नं 0-5 सैक्टर-6, फरीदाबाद के श्रमिक श्री ब्रह्म देव महत्तो तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई स्रोद्योगिक विवाद है;

ग्रौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतू निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इस लिए, ग्रब ग्रौद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुये, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिधिसूचना सं. 5415-3-श्रम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1968 के साथ पढ़ते हुये ग्रिधिसूचना सं0 11495-जी-श्रम/57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त ग्रिधिनियम की धारा 7 के ग्रधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्याय-निणंय के लिये निर्देष्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत श्रयवा संवंधित मामला है :--

क्या श्री ब्रहम देव महत्तों की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं 0 स्रो 0 वि 0 | सम्बाला | 45-84 | 26621. — चूं कि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मै. डिपू मैनेजर, हिन्दुस्तान पैट्रोलियम कारपोरेशन लि., सम्बाला छावनी के श्रमिक श्री राम सचल सिंह तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई सौद्योगिक विवाद है;

ग्रौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतू निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इस लिए, ग्रब, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रिविनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुये, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिविस्चना सं. 3(44)84-3-श्रम दिनांक 19 श्रप्रैल, 1984 द्वारा उक्त ग्रिविनियम की धारा 7 के ग्रधीन गठित श्रम न्यायालय, ग्रम्बाला को विवादग्रस्त या उससे संबंधित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय के लिये निर्दिष्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से स्मंगत ग्रथवा संबंधित मामला है।

क्या श्री राम अचल सिंह की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह कैस राहत का हकदार है ?

सं 0 स्रो 0 वि 0 | एफ 0 डी 0 | 59-84 | 26627. — चूं कि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मै. सरल इन्टरप्राइज, 41 किलो मीटर, मथुरा रोड़, फरीदाबाद के श्रमिक श्री हरीशचन्द तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रौद्यो- गिक विवाद है;

श्रीर चूं कि हरियाणा के राज्यपाल विवाद की न्यायनिर्णय हेतू निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इस लिए, ग्रब ग्रौद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिधिसूचना सं. 5415-3-श्रम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1968 के साथ पढ़ते हुये अधिसूचना सं. 11495-जी-अम/57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 अन्त अधिनियम की आरा 7 के अधीन गठित अस न्यायालय, फरीदाबाद को निवादप्रस्त या उससे सुसंगत या उससे संबंधित बीचे निवाद मामला न्यायनिर्णय के लिये निर्दिष्ट करते हैं, जो कि उनत प्रबन्धकों तथा अभिक के बीच या तो निवादप्रस्त मामला है या निवाद से सुसंगत प्रथना संबंधित मामला है:---

क्या श्री हरीश चन्द की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है?

सं 0 ओ 0 वि 0 / एफ 0 डी 0 / 1 26-8 4 / 2663 4 - चूं कि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मैं. नैशनल ब्लाक सिंबस, डी-4, नेहरु गराऊंड, एन 0 आई 0 टी 0, फरीदाबाद के श्रमिक श्री जे 0 एस 0 दयोल तथा छसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतू निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं ;

इस लिए, ग्रब श्रौद्योगिक विवाद श्रिधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुये, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी श्रिधिसूचना सं. 5415-3-श्रम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1968 के साथ पढ़ते हुये श्रिधिसूचना सं0 11495-जी-श्रम/57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त श्रिध-नियम की धारा 7के श्रधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे संबंधित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय के लिये निर्दिष्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत श्रथवा संबंधित मामला है:—

क्या श्री जे 0एस 0 दयोल की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं 0 थ्रो 0 वि 0 / यमुता / 27-84 / 26641. — चूं कि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मैं 0 ग्लोब इण्डस्ट्रीज, हरीपुरा स्ट्रीट, जगाधरी के श्रमिक श्री साधुराम तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रीद्योगिक विवाद है ;

भौर चुंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वां छनीय समझते हैं;

इस लिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गईं शाक्तियों का प्रयोग करते हुये, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं.3(44)84-3-अम दिनांक 19 अप्रैल, 1984 द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित अम न्यायालय, अम्बाला को विवादग्रस्त या उससे संबंधित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय के लिये निर्दिष्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा अमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत अथवा संबंधित मामला है:—

क्या श्री साधू राम की सेवाग्रों का समापन न्यायोजित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० घो०वि०/यान्ता/45-84/26643 — चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की रायें है कि मै० प्रकाश प्रोडक्ट, छछरीली गेट, जगाधरी के श्रमिक श्री सतपाल तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई ग्रीट दिनाद है;

ग्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यवाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं;

इस लिए, ग्रव, ग्रीद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुये, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिधिश्चना सं० 3(44) 84-3-श्रम, दिनांक 19 ग्रप्रैल, 1984 द्वारा उक्त ग्रिधिनियम की धारा 7 के ग्रिधीन गठित श्रम न्यायालय, श्रम्बाला को विवादग्रस्त या उससे संबंधित नीचे लिखा मामला न्याय- निर्णय के लिये निर्दिष्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत ग्रथवा संबंधित मामला है।

क्या श्री सतपाल की सेवाग्रों का समापन न्यायाचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?